लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3625

17 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा

3625. श्री रंजीत दत्ता:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पीएम मित्र वस्त्र पार्क के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या सरकार की प्रधान मंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान योजना के अंतर्गत असम में पीएम मित्र पार्क स्थापित करने की कोई योजना/प्रस्ताव है;

(ग) क्या पीएम मित्र योजना अथवा केन्द्र सरकार की अन्य योजनाओं के अंतर्गत असम में वस्त्र उद्योग, विशेषकर पारंपरिक हथकरघा और मूगा रेशम जैसे स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (घ): वस्त्र उद्योग की संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला के लिए एकीकृत बड़े पैमाने पर और आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से, सरकार ने 2021-22 से 2027-28 की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये के योजना परिव्यय के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों में 7 (सात) पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी है। असम सहित सभी राज्यों से अनुरोध किया गया था कि वे अपने राज्यों में पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजें। 13 राज्यों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए। असम सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ।

सरकार ने पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 7 साइटों अर्थात् तमिलनाडु (विरुद्धनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ) और महाराष्ट्र (अमरावती) को अंतिम रूप दिया है।

उपरोक्त के अलावा, वस्त्र मंत्रालय असम में हथकरघा और रेशम क्षेत्रों सहित वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रहा है। सरकार वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (जीआई) (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999 के तहत उत्पादों के पंजीकरण में सहायता करके असम सहित पूरे भारत में पारंपरिक और स्वदेशी हथकरघा फैब्रिक्स को बढ़ावा दे रही है। अब तक, असम के 8 हथकरघा उत्पाद यानी असम का मुगा सिल्क, असम का गमोसा, बोडोडोखोना, बोडोएरी सिल्क, बोडोज्वमग्रा, बोडोगामसा, बोडोथोरखा, असम मिशिंग हैंडलूम को जीआई अधिनियम, 1999 के तहत पंजीकृत किया गया है। इसके अलावा, महत्वपूर्ण पर्यटक स्थानों के रास्ते में पड़ने वाले शिल्प हथकरघा गांवों को विकसित करने की वस्त्र मंत्रालय की पहल के हिस्से के रूप में गोलाघाट के मोहपारा में शिल्प हथकरघा गांव स्थापित किया गया है। 88 हथकरघा क्लस्टरों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे 27,700 से अधिक हथकरघा बुनकर लाभान्वित हुए हैं। बुनकर मुद्रा योजना के तहत 4,700 से अधिक लाभार्थियों को ऋण प्रदान किया गया है। परिवहन सब्सिडी और मूल्य सब्सिडी के तहत 14 लाख किलोग्राम से अधिक यार्न की आपूर्ति की जाती है, जिससे हर साल लगभग 39,000 हथकरघा संगठन/बुनकर लाभान्वित होते हैं।

सिल्क समग्र 2 योजना के अंतर्गत, एरी और मूगा क्षेत्रों के लिए परियोजना मोड में विभिन्न लाभार्थी उन्मुख घटकों के कार्यान्वयन के लिए राज्य को 63.93 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता प्रदान की गई है।

***